जॉब डेटा का सिस्टम तैयार करने पर होगी देरी

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। एंप्लॉयमेंट डेटा पर एक कमिटी ने जॉब डेटा के विभिन्न सोर्सेज को एकत्र और प्रस्तुत करने के तरीके पर सुझाव देने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से 6 और महीने का समय मांगा है। देश के पूर्व चीफ स्टैटिस्टिशियन टी. सी. ए. अनंत की अगुआई वाली यह कमिटी जून में बनाई गई थी और इसे एक महीने में अपनी रिपोर्ट देनी थी। अब यह इस वर्ष के अंत तक अपने सुझाव दे सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने ईटी को बताया कि तिमाही एंप्लॉयमेंट सर्वे के डेटा और एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन और एंप्लॉयीज स्टेट इंश्योरेंस कोऑपरेशन के पेरोल डेटा के बीच बड़े अंतर के कारण कमिटी को सुझाव देने में अधिक समय लग रहा है। डेटा के इन दोनों सेंट को लेबर मिनिस्ट्री के तहत आने वाले कार्यालय तैयार करते हैं। अनंत की अगुआई में यह पता लगाने के लिए कमिटी बनाई थी कि पेरोल डेटा और लेबर मिनिस्ट्री के एंप्लॉयमेंट सर्वे के बीच बहुत अधिक अंतर क्यों है।

पेट्रोल-डीजल के बाद विमान ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। पेट्रोल और डीजल के बाद सरकार ने विमान ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। विमान ईंधन (एटीएफ) पर एक्साइज ड्यूटी कम कर 11 फीसदी कर दी गई है। ईंधन की ऊंची लागत से प्रभावित विमानन उद्योग को राहत देने के लिय यह कदम उठाया गया है। एटीएफ पर अब तक यह दर 14 फीसदी थी। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राजस्व विभाग ने अधिसूचना जारी कर कहा कि शुल्क में कटौती 11 अक्टूबर से प्रभाव में आएगी।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी : गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी तथा रुपए के मूल्य में गिरावट से जेट ईंधन के दाम इस महीने जनवरी 2014 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। दिल्ली में फिलहाल विमान ईंधन की लागत

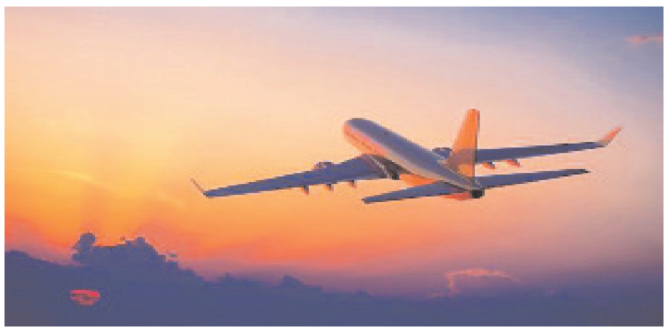

74,567 रुपए प्रति किलोलीटर (74.56 रुपए लीटर) और मुंबई में 74,177 रुपए प्रति किलोलीटर है। एटीएफ की कीमत जुलाई से अब तक 9.5 फीसदी बढ़ी है। इसमें पिछले साल जुलाई से वृद्धि हो रही है। जुलाई 2018 को छोड़कर इसमें हर महीने बढ़ोत्तरी हुई। पिछले साल जुलाई में विमान ईंधन 47,013 रुपए प्रति किलोलीटर था। उसके बाद इसमें 58.6 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई : पिछले सप्ताह सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 1.50 रुपए की कटौती की। वहीं, सरकारी तेल कंपनियों से एक रुपए लीटर की कटौती करने को कहा। इसके साथ ही भाजपा शासित राज्यों ने भी वैट में कटौती कर ढाई रुपए प्रति लीटर की राहत दी। इससे इन राज्यों में ग्राहकों को पेट्रोल, डीजल पर पांच रुपए लीटर की राहत मिली।

बिटकॉइन एक्सचेंजों ने किया 2.5 अरब डॉलर का बड़ा घोटाला

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। अमेरिकी साइबर सिक्योरिटी फर्म साइफर ट्रेस ने कहा कि साल 2009 से क्रिप्टोकरंसी एक्सचेंजों ने 2.5 अरब डॉलर (करीब 180 अरब रुपए) मूल्य के बिटकॉइन की लॉन्ड्रिंग की। इन क्रिप्टोकरंसी एक्सचेंजों का ठिकाना भारत से बाहर है, जो भारत से मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि उन्हें प्रभावित करने वाला कोई स्पष्ट मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून अस्तित्व में नहीं है। 180 अरब रुपए में वही लेनदेन शामिल हैं जिनपर साइफर ट्रेस की सीधी नजर थी और जिसे उसने आपराधिक या अति संदेहास्पद माना है। साइफर ट्रेस ने टॉप 20 क्रिप्टोकरंसी एक्सचेंजों के जरिए हुए करीब 35 करोड़ के लेनदेन की पड़ताल की और 10 करोड़ ट्रांजैक्शंस के मिलान दूसरे पक्षों से भी किए। इन एक्सचेंजों का इस्तेमाल आपराधिक सेवाओं के लिए 2 लाख 36 हजार 979

बिटकॉइन्स की खपत के लिए हुई थी। साइफर ट्रेस ने मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा हैकिंग और क्रिप्टोकरंसीज की चोरी का भी पता लगाया। साल 2018 के पहले नौ महीनों में हैकिंग एक्सचेंजों के जरिए 92 करोड़ 70 लाख डॉलर (करीब 68 अरब रुपए) मूल्य की वर्चुअल करंसी की चोरी हुई थी जो पिछले वर्ष की तुलना में 250 फीसदी ज्यादा थी।

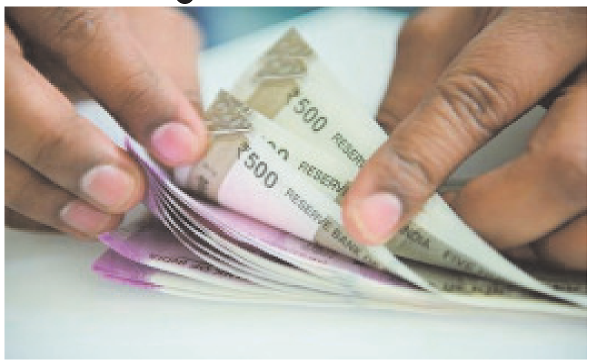

रुपए में रिकॉर्ड गिरावट, डॉलर के मुकाबले 74.47 के स्तर पर पहुंचा

रुपए की शुरुआत आज कमजोरी के साथ हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपया आज 10 पैसे टूटकर 74.30 पर खुला है। खुलने के बाद रुपया और कमजोर होता दिख रहा है और 74.47 के अबतक के सबसे निचले स्तर को छू चुका है। वहीं कल प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से रुपए में छह कारोबारी सत्रों से चली आ रही गिरावट थम गई और यह 18 पैसे मजबूत हो कर 74.21 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

बढ़ेगी महंगाई : देश में खाने-पीने की चीजों और दूसरे जरूरी सामानों के ट्रांसपोर्टेशन के लिए डीजल का इस्तेमाल होता है। ऐसे में, डीजल महंगा होते ही इन सारी जरूरी चीजों के दाम बढ़ेंगे। अगर पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हुए तो पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ साबुन, शैम्पू, पेंट इंडस्ट्री की लागत बढ़ेगी, जिससे ये प्रोडेक्ट भी महंगे हो सकते हैं। ऑटो इंडस्ट्री की लागत बढ़ेगी, साथ ही डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी से माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ जाता है। रुपए में गिरावट बनी रही तो कार कंपनियां आगे कीमतें बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं।

रिप्लेसमेंट के लिए 27 ड्रिलिंग रिग खरीदेगी ओएनजीसी, खर्च होंगे 3000-3500 करोड़ रुपये

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। ऑइल ऐंड नैचरल गैस कॉर्प अपने पुराने पड़ते आधे ऑनलैंड रिग को रिप्लेस करने के लिए 27 ड्रिलिंग रिग खरीद रही है। इस पर उसे लगभग 3000 से 3500 करोड़ रुपये का खर्च आने की उम्मीद है। सरकार एक्सप्लोरर कंपनी ने 14 तक सप्लायर से बिड मंगाने के लिए टेंडर जारी किया है। ओएनजीसी ने शुरू में लगभग 50 रिग खरीदने का प्लान बनाया था जिसकी संख्या बाद में घटाकर 27 कर दी। कंपनी के एक टॉप एग्जिक्यूटिव ने बताया कि फ्रेश बाइंग से कंपनी को पुराने पड़ते 67 ड्रिलिंग रिग को आंशिक तौर पर रिप्लेस करने में मदद मिलेगी जो ऑनशोर फील्ड में चल रहे हैं। उन्होंने कहा, कंपनी के ज्यादातर ऑनशोर रिग पुराने हो गए हैं और उसके चलते कामकाज पर गहरा असर हो रहा है। इसलिए हम उन्हें रिप्लेस करने की कोशिश कर रहे हैं। नए रिग आने से कामकाज बेहतर हो जाएगा। एग्जिक्यूटिव ने कहा कि ओएनजीसी अच्छी क्वॉलिटी के ऑनशोर रिग की कमी के चलते अब तक उन्हें किराए पर लेने के बजाय खरीदती रही है। हालांकि ऑफशोर की पर्याप्त उपलब्धता के चलते वह ऑफशोर रिग किराए पर लेती रही है। ड्रिलिंग रिग आमतौर पर विशाल चलायमान ढांचे होते हैं जिनमें अंडरग्राउंड रिजर्व से ऑइल और गैस निकालने के लिए धरती की सतह में छेद करने लायक इक्विपमेंट लगे होते हैं। कंपनी ने कई साल से जस का तस रहा ऑइल और गैस प्रॉडक्शन बढ़ाने की योजना बनाई है इसलिए उसने हाल के वर्षों में ड्रिलिंग एक्टिविटी बढ़ाई है। कंपनी ने 2017-18 में पिछले 27 साल में सबसे ज्यादा 503 कुएं खोदे थे। कंपनी ने 2018-19 में 17,600 करोड़ रुपये की लागत से रिकॉर्ड 535 कुएं खोदने का प्लान बनाया है। कंपनी के एग्जिक्यूटिव ने बताया कि उसने नई टेक्नोलॉजी अपनाकर अपनी ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाने के लिए कई तरह के कदम उठाए हैं। उसने साथ ही कुओं के ज्यादा सक्षम डिजाइन बनाए हैं और कुओं की टेस्टिंग प्रोसीजर को स्टैंडर्ड भी बनाया है।

पिछले छह साल से भी ज्यादा समय से देश में क्रूड प्रॉडक्शन में कमी आ रही है। इससे इंपोर्ट पर निर्भरता बढ़ रही है क्योंकि जीडीपी तेज होने के चलते उसका लोकल कंजम्पशन भी तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच डोमेस्टिक ऑइल प्रॉडक्शन सालाना आधार पर 3.3त्न घटकर 1.46 करोड़ टन रह गया।

बंद होगी अंग्रेजों के जमाने की कंपनी, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। सरकार ने बीको लॉरी लि. को बंद करने का फैसला किया है। पेट्रोलियम कंपनियों ने लंबे समय से बीमार ब्रिटिश काल की इस इकाई को खरीदने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने पेट्रोलियम मंत्रालय के इस इकाई को बंद करने के प्रस्ताव पर यह फैसला लिया है। मंत्रालय का कहना था कि इस इकाई के पुनरोद्धार की कोई गुंजाइश नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीईए की बैठक में बीको लॉरी को बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कंपनी के कर्मचारियो को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) तथा स्वैच्छिक रूप से अलग होने (वीएसएस) योजना की पेशकश की जाएगी। सरकार के मौजूदा दिशा निर्देशों के तहत सभी देनदारियों को पूरा करने के बाद बीको लॉरी की निष्क्रिय संपत्तियों को उत्पादक कार्यों में लगाया जाएगा। कोलकाता स्थित कंपनी बीको लॉरी की स्थापना 1919 में ब्रिटिश इंडिया इलेक्ट्रिंक कंस्ट्रक्शन कंपनी के रूप में की गई थी। इस कंपनी ने चाय बागान मशीन विनिर्माता के रूप में शुरुआत की थी। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कंपनी ने सेना के लिए शेल केस, फूड कंटेनर, छद्म ढांचे बनाए थे।

पीटीसी इंडिया बांग्लादेश को करेगी 200 मेगावाट बिजली की आपूर्ति

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। बिजली कारोबार से जुड़ी पीटीसी इंडिया ने बांग्लादेश को 200 मेगावाट बिजली की

आपूर्ति के लिए वहां के पावर डेवलपमेंट बोर्ड के साथ दो नये बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीटीसी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि कंपनी पहले से 290 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को आपूर्ति कर रही है। ये समझौते अल्पकालीन और 15 साल के लिए दीर्घकालीन आधार पर 200 मेगावाट की आपूर्ति के लिए है। कंपनी अल्पकालीन अवधि के लिए बिजली पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी के बिजली पूल से लेगी। वहीं दीर्घकालीन बिजली मीनाक्षी एनर्जी लि. की अयातित कोयला आधारित परियोजना के जरिए की जाएगी। अनुबंध अवधि के दौरान इस सौदे से निर्यात कमाई के रूप में 1.8 अरब डालर प्राप्त होने की उम्मीद है।

अलग-अलग कार्ड का झंझट खत्म, अब एक ही कार्ड पर क्रेडिट और डेबिट की सुविधा

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। अक्सर लोगों को क्रेडिट और डेबिट कार्ड को मैनेज करने में थोड़ी परेशानी होती है। ऐसे में इंडसइंड बैंक ने यूजर्स की परेशानी को थोड़ा कम कर दिया है। इंडसइंड बैंक ने देश का पहला डुओ कार्ड लॉन्च किया है। मतलब अब यूजर्स को डेबिट और क्रेडिट कार्ड के लिए अलग-अलग कार्ड्स का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा। इंडसइंड बैंक के डूओ कार्ड के जरिए अब यूजर्स एक ही कार्ड से डेबिट और क्रेडिट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक ही कार्ड से डेबिट-क्रेडिट : इंडसइंड की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक इस पर दो श्वस्छ्व चिप और 2 मैगनेटिक स्ट्रप्सि लगी होंगी। डेबिट और क्रेडिट कार्ड का एक ही स्टेटमेंट आएगा। यही नहीं, आप डेबिट और क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड प्वाइंट्स को एक साथ जोड़कर भी इस्तेमाल कर सकेंगे।

कैसे करें यूज : इस कार्ड की एक तरफ डेबिट कार्ड की सुविधा तो दूसरी तरफ क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था की गई है। जिसे आप आवश्यकतानुसार इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे मिलेगा : बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक आप वेबसाइट पर ही फॉर्म भर कर इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां एक फॉर्म दिया गया है। इस फॉर्म को चाहे आप बैंक के मौजूदा ग्राहक हों चाहे न हों, यहां पूरी डिटेल भर कर अप्लाई कर सकते हैं। अभी फिलहाल यह कार्ड कुछ ही शहरों में दिया जा रहा है। आगे संभावना है कि बैंक देश के दूसरे हिस्सों में भी यह कार्ड बांटना शुरू कर दे। इस कार्ड के बाद आपको दो-दो अलग कार्ड रखने की झंझट से निजात मिल जाएगी।

ई-कॉमर्स कंपनियों को सेल में महंगे स्मार्टफोन बिकने की उम्मीद

बेंगलुरु 11 अक्टूबर (ए)। ऐमजॉन इंडिया और फ्लिपकार्ट पर इस साल फेस्टिव सेल्स में ऑनलाइन शॉपर्स से प्रीमियम मॉडल्स सहित ज्यादा महंगे वाले स्मार्टफोन खरीदने की उम्मीद की जा रही है। एनालिस्ट ने बताया कि दोनों कंपनियां भारी छूट और पेमेंट्स के आसान तरीकों से ग्राहकों को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। काउंटरपॉइंट रिसर्च के असोसिएट्स डायरेक्टर तरुण पाठक ने बताया, ओवरआल मार्केट की तुलना में प्रीमियम सेगमेंट की ग्रोथ अधिक होने की संभावना है, जो इस वक्त 15 पर्सेंट है। इस बार इस कैटिगरी में ज्यादा विकल्प हैं। प्रीमियम सेगमेंट के 10 में से 9 स्मार्टफोन पर पहले ही ईएमआई, कैशबैक और पुराने फोन के एक्सचेंज समेत कई किफायती ऑफर्स दिए जा रहे हैं।

आमतौर पर स्मार्टफोन कैटिगरी में ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट फेस्टिव सीजन में अच्छा मार्केट

शेयर हासिल करती हैं। इस साल भी ऐमजॉन की ग्रेट इंडियन सेल और फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डे इवेंट में स्मार्टफोन्स पर लुभावने ऑफर दिए जा रहे हैं। प्रीमियम और महंगे प्रॉडक्ट्स की सेल्स में बढ़ोतरी से निश्चित तौर पर ईकॉमर्स सेक्टर की इन दिग्गज कंपनियों की सेल्स ग्रोथ में भी वृद्धि होगी।

फ्लिपकार्ट को इस साल बिग बिलियन डे में पिछले साल की तुलना में 4 गुना प्रीमियम स्मार्टफोन्स बिकने की उम्मीद है। ऐमजॉन को भी इस सेगमेंट में अहम ग्रोथ की उम्मीद है। ऐमजॉन ने बताया कि वह इस कैटिगरी में बढ़िया डिस्काउंट दे रही है। इसमें आईफोन एक्स (64 जीबी) पर कैशबैक समेत 22,000 रुपये का डिस्काउंट और वनप्लस 6 पर 5,000 रुपये का डिस्काउंट शामिल है। दोनों कंपनियां ने 10 अक्टूबर से अपने फ्लैगशिप सेल की शुरुआत की है। एनालिस्टों को इस साल ?10,000 से 15,000 रुपये वाली रेंज में भी ज्यादा स्मार्टफोन बिकने की उम्मीद है। पिछले साल दोनों प्लेटफॉर्म पर 10,000 रुपये से कम कीमत वाले ज्यादा स्मार्टफोन बिके थे। फॉरेस्टर रिसर्च के एनालिस्ट सतीश मीणा को फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर स्मार्टफोन की बिक्री अधिक रहने की उम्मीद है। उनका कहना है कि ऐमजॉन की तुलना में उसके पास ज्यादा ब्रांड्स के साथ एक्सक्लूसिव पार्टनरशिप है। मार्केट रिसर्च फर्म टेकऑर्क के मुताबिक फ्लिपकार्ट ने इस साल करीब 70 स्मार्टफोन कंपनियों से एक्सक्लूसिव पार्टनरशिप की है, जबकि ऐमजॉन के पास सिर्फ 40 एक्सक्लूसिव स्मार्टफोन ब्रांड्स हैं।

ऐमजॉन इंडिया में कैटिगरी मैनेजमेंट वर्टिकल के वाइस-प्रेसिडेंट मनीष तिवारी ने बताया, स्मार्टफोन की क्वॉलिटी और लोकप्रियता की तुलना किए बगैर एक्सक्लूसिव पार्टनर की संख्या की तुलना वैसा ही है, जैसे एक सेब की संतरे से तुलना की जाए। हमारे पास अलग-अलग प्राइस सेगमेंट के बेस्टसेलर्स ब्रांड हैं। रेडमी6ए देश का बेस्ट सेलिंग ब्रांड रहा है और यह हमारे प्लेटफॉर्म पर एक्सक्लूसिव है। प्रीमियम कैटिगरी में बेस्ट सेलिंग ब्रांड वनपल्स की हमारे साथ एक्सक्लूसिव पार्टनरशिप है।

ईरान से सप्लाई हुई बंद तो भारतीय तेल कंपनियों को अतिरिक्त तेल देगा सऊदी अरब

नई दिल्ली 11 अक्टूबर (ए)। दुनिया का सबसे बड़ा तेल एक्सपोर्टर सऊदी अरब इस साल नवंबर में कच्चे तेल के अतिरिक्त चार मिलियन बैरल भारतीय तेल खरीददारों को सप्लाई करेगा। सऊदी अरब की यह अतिरिक्त आपूर्ति इस बात के संकेत देता है कि ईरान के तेल निर्यात पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कमी को पूरा करने के लिए सऊदी अरब तैयार है। ईरान पेट्रोलियम निर्यात करने वाले देशों (ओपेक) के संगठन में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल ग्राहक है, जिसके बाद भारत का स्थान आता है। हालांकि, कई रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि प्रतिबंधों के कारण वे ईरानी बैरल लेना बंद कर देंगे। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प, भारत पेट्रोलियम

कॉर्प और मैंगलोर रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड नवंबर में सऊदी अरब से अतिरिक्त 1 मिलियन बैरल मांग रहे हैं। सऊदी अरब के सबसे बड़े तेल उत्पादक सऊदी अरामको ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ईरानी तेल की आपूर्ति पर निर्भरता को देखते हुए भारतीय रिफाइनर प्रतिबंधों की शुरुआत के बाद ईरानी क्रूड के नुकसान के बारे में चिंतित हैं और छूट मांग रहे हैं। देश में रिफाइनरों ने नवंबर में ईरान से 9 मिलियन बैरल खरीदने का आदेश दिया है। सोमवार को पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संकेत दिया था कि 4 नवंबर से ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ईरान से तेल का आयात जारी रखेगा। प्रधान ने कहा कि भारत की दो सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों ने नवंबर के लिए ईरानी क्रूड के लिए अनुबंध किया था। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी), मैंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने नवंबर में आयात के लिए 1.25 मिलियन टन ईरानी तेल का अनुबंध किया है।